उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः,हरिद्वारम्
आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षायाम्

नव्यव्याकरणम्

प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्–लघुशब्देन्दुशेखरः – (संज्ञाप्रकरणतः परिभाषाप्रकरणपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –वाक्यपदीयस्य ब्रह्मकाण्डः – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् –वैयाकरणभूषणसारस्य–(धात्वर्थप्रकरणतः सुबर्थ प्रकरणान्तम्) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – निरूक्तम् –(प्रथम, द्वितीयाध्यायौ) – **80+20अंकाः**

पंचमपत्रम्–वैदिक वाङ्मयस्येतिहासः – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – लघुशब्देन्दुशेखरः–अच्सन्धितः स्वादिसन्धिपर्यन्तम् – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः शब्दखण्डम् – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – वैयाकरणभूषणसारे–नामार्थतः ग्रन्थपर्यन्तम् – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – भाषाविज्ञानम् – **80+20 अंकाः**

1. भाषास्वरूपम् 2. भाषायाः उत्पत्तिः विकासश्च, 3. भाषापरिवारः 4. ध्वनिविज्ञानम्
5. पदविज्ञानम् 6. अर्थविज्ञानम्

पंचमपत्रम् – भारतीयसंस्कृतिः, भारतीयसंस्कृतिः तत्स्वरूपं वैशिष्टयञ्च – **80+20 अंकाः**

1. पुरूषार्थ चतुष्टय
2. वर्णाश्रम व्यवस्था
3. षोडश संस्काराः
4. पञ्चमहायज्ञाः
5. आधुनिक परिप्रेक्ष्ये उपादेयता

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

नव्यव्याकरण

आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षायाम्

तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –लघुशब्देन्दुशेखरे–अजन्तपुल्लि"प्रकरणम् – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् –लघुशब्देन्दुशेखरे–अजन्तस्त्रीलिङ्तः अव्ययप्रकरणान्तम् – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – लघुमञ्जूषा–शक्तिलक्षणा··काङ्क्षायोग्यतातात्पर्यासत्तिप्रकरणान्तम् – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – निरूक्तम् (तृतीयचतुर्थाध्यायौ) – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् –शोध प्रविधिः एवं स्वशास्त्रीय निबन्धः – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य द्वितीयवर्ष परीक्षायाम्
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – लघुशब्देन्दुशेखरः–(स्त्रीप्रत्ययतः कारकप्रकरणे द्वितीया विभक्त्यर्थ प्रकरणान्तम्) **–80+20 अंकाः**
द्वितीयसत्रम् – कारकप्रकरणे तृतीयाविभक्तितः अव्ययीभाव समासं यावत् **– 80+20 अंकाः**
तृतीयपत्रम् –व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकप्रकरणम्–(नीलो घट...नचेविद्वेष इति दिक्) – **80+20 अंकाः**
चतुर्थपत्रम् –व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः अथवा लघुशोधप्रबन्धः **– 80+20 अंकाः**
पंचमपत्रम् – वाक्परीक्षा **– 100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।